No. of Printed Pages : 4

MSOE-003

05819

MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)

Term-End Examination

June, 2013

MSOE-003 : SOCIOLOGY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : **100***

Note : *Answer **any five** questions in about **500** words each. Select at least **two** questions from each section.*

SECTION - A

1. Discuss with examples the significance of the comparative approach to the study of religion. **20**

2. Compare and contrast the Marxist approach to religion with that of Durkheim. **20**

3. Distinguish with examples the social roles of shamans, mystics, and doctors. **20**

4. Outline Weber's central thesis on religion and economy. **20**

5. Describe and discuss the "OKKa" and it's role in the society of the Coorgs. **20**

SECTION - B

6. Discuss the significance of phenomenology to the study of religion. 20

7. What is religious pluralism ? Discuss with suitable examples. 20

8. Is communalism different from fundamentalism ? Discuss. 20

9. Discuss the sociological significance of religious cults in India. 20

10. Write short notes on (in **250** words) :
    (a) Difference between secularism and secularization. 10
    (b) Social background of the emergence of Buddhism. 10

एम.एस.ओ.ई.-003

एम.ए. (समाजशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एस.ओ.ई.-003 : धर्म का समाजशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर* ***अवश्य*** *दीजिए।*

भाग - क

1. धर्म के अध्ययन में तुलनात्मक दृष्टिकोण के महत्व को सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

2. धर्म के संबंध में मार्क्सवादी दृष्टिकोण की तुलना दुर्खाइम के दृष्टिकोण से कीजिए और इनके अंतर को स्पष्ट कीजिए। 20

3. शामन, रहस्यवादी और चिकित्सकों की सामाजिक भूमिकाओं के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

4. वेबर की धर्म एवं अर्थव्यवस्था आधारित केंद्रीय धारणा को रेखांकित कीजिए। 20

5. कुर्ग के समाज में ''ओक्का'' (OKKa) तथा इसकी भूमिका की विवरण एवं चर्चा करें। 20

भाग - ख

6. धर्म के अध्ययन के संबंध में घटनाविज्ञान के महत्व की चर्चा कीजिए। 20

7. धर्म बहुलवाद क्या है? उचित उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। 20

8. क्या संप्रदायिकता, कट्टरता से भिन्न है? चर्चा कीजिए। 20

9. भारत में धार्मिक संप्रदायों के समाजशास्त्रीय महत्व की चर्चा कीजिए। 20

10. संक्षेप में (प्रत्येक) पर ***250*** शब्दों में नोट लिखिए।

    (a) धर्मनिरपेक्षता एवं लौकिकीकरण के बीच का अंतर 10

    (b) बोद्ध धर्म के उद्‌भव की सामाजिक पृष्ठभूमि 10